अनूपपुर के गणेश विज्ञान प्रतिभा दिखाने पहुंचे जापान

अनूपपुर। जब दिल में अटूट लगन हो, दिमाग लीक से हटकर सोचता हो और सही मार्गदर्शन हासिल हो तो विराट सपना भी हकीकत में ढल जाता है। ऐसी ही कहानी है कोतमा तहसील के सुदूरवर्ती गांव दारसागर के छात्र गणेश प्रसाद प्रजापति की, जिन्होंने पानी से चलने वाली जेसीबी का मॉडल विकसित कर विज्ञान को समृद्ध किया है। गणेश मध्य प्रदेश की उन दो विज्ञान प्रतिभाओं में से एक हैं, जो अपने मॉडल की परिकल्पना साझा करने के लिए जापान यात्रा पर हैं। गणेश को हिंदुस्तान पावर से मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्राप्त मिलता रहा है, वहीं उनकी प्रतिभा को पहचानने का श्रेय उनके विज्ञान शिक्षक एवं जिला प्रशासन को जाता है। 16 वर्षीय गणेश उन प्रतिभाओं में शामिल हैं, जिन्हें जापान के सकुरा एक्सचेंज प्रोग्राम इन साइंस के तहत चुना गया है। जापान और शेष एशिया के बीच विज्ञान प्रतिभाओं के आदान-प्रदान वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए गणेश के चयन का आधार है उनके द्वारा पास्कल सिद्धांत पर विकसित जल-दबाव चालित जेसीबी मॉडल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोतमा, में 11वीं के छात्र गणेश ने करीब चार साल पहले यह मॉडल तब विकसित किया था, जब उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, के 'इन्सपायर साइंस अवार्ड' के लिए चुना गया। हिंदुस्तान पावर ने 2012 में अपने प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में गणेश को सम्मानित किया। तत्कालीन एसडीएम गजेंद्र सिंह ने गणेश का परिचय हिंदुस्तान पावर से कराया था। कंपनी ने अपने अधिकारी ओंकार सिंह तोमर को गणेश के मार्गदर्शन के लिए अधिकृत किया, जिसे वह अपने अभिभावक जैसा ही समझते हैं। गणेश कहते हैं, ओंकार सिंह ने मेरा हरसंभव मार्गदर्शन किया। एक बार मैं आंख की रोशनी खोने के कगार पर पहुंच गया था। ओंकार सिंह ने मेरा समुचित इलाज कराया। मेरी जापान यात्रा की तैयारी में उनका खास योगदान है। गणेश ननिहाल में रहकर पढ़ाई करते हैं। उनके नाना मूलचंद प्रजापति कहते हैं, हमारा परिवार कम पढ़ा लिखा है। हम सरकारी प्रक्रियाओं के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते। गणेश की जापान यात्रा के लिए जरूरी सभी सरकारी प्रक्रियाओं में ओंकार सिंह हमारे मददगार रहे। हिंदुस्तान पावर के परियोजना प्रमुख जोगेश महतो कहते हैं, गणेश बच्चों के लिए रोल मॉडल है। उसकी मेधा देश-प्रदेश का गौरव बढ़ा सकती है। हम ऐसे बच्चे की मदद को राष्ट्र-निर्माण की कड़ी मानते हैं। उसकी कामयाबी से हम भी गौरवान्वित हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय इन प्रतिभाओं की जापान यात्रा का प्रायोजक है। मंत्रालय के अधिकारी पीक्रे सिंह इस दल का नेतृत्व कर रहे हैं। हिंदुस्तान पावर ने गणेश का वीजा, पासपोर्ट और अन्य जरूरी दस्तावेज तैयार करवाने में पूरी मदद दी। वहीं, रेल टिकट, यात्रा के लिए जरूरी सामग्री और दिल्ली में रहने की व्यवस्था भी कंपनी ने की। दिल्ली तक की यात्रा में उन्हें कंपनी प्रतिनिधि का साथ मिलता रहा। गणेश 23 अप्रैल को वापस दिल्ली लौटेंगे और उनकी अनूपपुर वापसी की जिम्मेवारी भी कंपनी वहन करेगी।

जब दिल में अटूट लगन हो तो विराट सपना भी हकीकत में ढल जाते है गणेश बच्चों के लिए रोल मॉडल है : जोगेश महतो